କ୍ରି-ଶାନ

କ୍ଲୋରପାଇରିଫାସ ୨୦% ଇ.ସି.

କୀଟନାଶକ

କ୍ଲୋରପିରିଫୋସ୍ 20% ଇ। ମକା ପତ୍ର ଆଫିଡ, ଗଲ୍ ମିଜ୍, ହିସପା, ଷ୍ଟେମ୍ ବୋରର୍, ପିରିଲା, ହୀରା କଳା ପୋକ, ମୂଳ ଗ୍ରବ୍, ପତ୍ର, କଳା ସାଇଟ୍ରସ୍ ଏବଂ ମାଟି ଉଡୁଥିବା କୀଟନାଶକ, ଚାଉଳ ବେତ, ସୂତା, ତେଲ ମଞ୍ଜି ଏବଂ ପନିପରିବା ଉପରେ। ଗହମ, ଗ୍ରାମ, ବାର୍ଲି ଏବଂ ଆଖୁ, କୋବି, ପିଆଜ, ଆପଲ୍, ବେର, ସାଇଟ୍ରସ୍ ଏବଂ ତମାଖୁ ଉପରେ ଟର୍ମାଇଟ୍ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରେ।

ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ମାତ୍ରା :

ଫସଲ	କୀଟର ସାମାନ୍ୟ ନାମ	ମାତ୍ରା ପ୍ରତି ହେକ୍ଟର ସକ୍ରିୟ ତତ୍ତ୍ୱ (ଗ୍ରା./%)	ଫରଚନା (ମି.ଲି.)	ଜଲେର ମାତ୍ରା (ଲିଟର)	ଅଂତିମ ସ୍ପ୍ରେ ଏବଂ କାଟାର ମଧ୍ୟେ ଅନ୍ତର (ଦିବସ)
ବାର୍ଲି	କର୍ନ ଲିଭ ଆଫିଡ	375	1875	500-1000	--
ଧାନ	କର୍କଶ ରୋମିଲ	250	1250	500–1000	--
	ପର୍ଣ ବେଲନକ	375	1875	500–1000	--
	ପୋଗା ଗାର୍ଡ	250	1250	500–1000	--
	ତନା ଛିଦ୍ରକ	250	1250	500–1000	--
କପାସ	ଆଫିଡ	250	1250	500–1000	--
	ବଲ ୱର୍ମ	250	1250	500–1000	--
	ଧଳା ମାଛି	250	1250	500–1000	--
	ଧୂସର ରଙ୍ଗର କୀଟ	250	1250	500–1000	--
	ଜାସିଡ	250	1250	500–1000	--
	ପିଙ୍କ ବଲୱର୍ମ	250-300	1250-2250	500–1000	--
	କଟ ୱର୍ମ	750	1250	500–1000	--
ବାଦାମ	ମାହୁ	200	1000	500–1000	--
ବେଗୁନ	ତନା ଛିଦ୍ରକ, ଫଳ ଛିଦ୍ରକ	200	1000	500–1000	--
ଚା	ସ୍କେଲ ଇନସେକ୍ଟ	150	750	500- 1000	--
	ଲାଲରଙ୍ଗର ସଁବାଳୁଆ	150	750	500- 1000	--
କୋବି	ହିରା ପିଠ ପତଙ୍ଗ	400	2000	500–1000	--
ପିଆଜ	ମୂଳେର ଲଟ	1000	5000	500–1000	--
ସେବ	ମାହୁ	0.05%	3750-5000	1500–2000	--
ବେର	ପତ୍ରାର ଟିଡ୍ଡା	0.03%	2250-3000	1500–2000	--
ଲେଂବୁ	କାଲା ଲେଂବୁର ମାହୁ	0.02%	1500-2000	1500–2000	--
ତମାକୁ	ମାଟିର ଭୃଂଗ	350	1750	500–1000	--

ବିଲଡ଼ିଙ୍ଗ ଏବଂ ବନ ଯୋଗ୍ୟ: (ଭବନ ନିର୍ମାଣ ପୂର୍ବରୁ ଏବଂ ପରେ) 1.0% ସମ୍ମିଶ୍ରଣ ତତ୍ତ୍ୱ

ବୀଜ ଉପଚାର:

ଗହମ	ଉଇ	3-4 ମି.ଲି. ପ୍ରତ୍ୟେକ କିଲୋ ମଞ୍ଜିରେ
ଚଣା ବା ବୁଟ	ଉଇ	15-30 ମି.ଲି. ପ୍ରତ୍ୟେକ କିଲୋ ମଞ୍ଜିରେ
ବାର୍ଲି	ଉଇ	4-6 ମି.ଲି. ପ୍ରତ୍ୟେକ କିଲୋ ମଞ୍ଜିରେ

ମାଟି ଉପରେ ସିଆର କାଟିବା ସମୟରେ:

ଗହମ	ଉଇ	2000-3000 ମି.ଲି. ପ୍ରତି ହେକ୍ଟରରେ

ଚେତାବନି : କ୍ଲୋରପାଇରିଫାସର ଉପଯୋଗ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାନୁଯାୟୀ ନ କରିବାରେ ଏହା ବ୍ୟବହାର ପୋଲି ନ୍ୟୁରୋପ୍ୟାଥିରର ପ୍ରଭାବ କରିବାକୁ ହେବ।

ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ଯନ୍ତ୍ର : ନ୍ୟାପସାକ ସ୍ପ୍ରେୟାର, କଂପ୍ରେଶନ ନ୍ୟାପସାକ ସ୍ପ୍ରେୟାର, ବ୍ୟାଟରି ସ୍ପ୍ରେୟାର ଏ.ଏସ.ପି.ଇ.–ଏଚ.ଟି.ପି ପାଓୟାର ସ୍ପ୍ରେୟାର।

ବିଷପ୍ରଭାବର ଲକ୍ଷଣ :

ପ୍ରାଥମିକ ଅବସ୍ଥାରେ ମୁଣ୍ଡବିନ୍ଧା, ଆଖିକୁ ଝାପସା ଦିଶିବା, ଝାଳ ବୋହିବା ଓ ନୀଳ ବୋହିବା ଇତ୍ୟାଦି ଲକ୍ଷଣ ପ୍ରତିଭାତ ହୁଏ।

ପ୍ରାଥମିକ ଚିକିତ୍ସା :

1. ଚର୍ମର କ୍ଷତିଗ୍ରସ୍ତ ସ୍ଥାନକୁ ଓ ଆଖିକୁ ଭଲଭାବେ ଧୋଇବା ଆବଶ୍ୟକ। ଶୁଷ୍କତା ଅନୁଭୂତି ହେଲେ ଲୁଣ ପାଣି ଦେଇ ଦରକାର।
2. ଟିକେ ସାଷ୍ଟମଡେଲେ, ରୋଗୀକୁ ମୁକ୍ତ ବାୟୁ ବୋହୁଥିବା ଯାବାରେ ବସାଇ ବିଶ୍ରାମ ଦେଇ ଦରକାର।

ଉପଗ୍ରର :

1. ରୋଗୀକୁ ପାଞ୍ଚରୁ ଦିଶ ମିନିଟ ବୟବଧାନରେ ଘଣ୍ଟାଏ କାଳ ଦୁଇରୁ ଗ୍ରି ମିଲିଗ୍ରାମ କରି ଆଟ୍ରୋପାଇନ ରୋଗୀକୁ ଦେବାକୁ ହେବ। 25 ରୁ 50 ମିଲିଗ୍ରାମ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆଟ୍ରୋପାଇନ ଦିନକ ମଧ୍ୟରେ ଦରକାର ହୋଇପାରେ। ଲାଲ ବୋହିବା ଲକ୍ଷ୍ୟ କରି ସେହ ଅନୁସାରେ ଆଟ୍ରୋପାଇନ ମାତ୍ରା ଦେବାକୁ ହେବ।
2. 1 ରୁ 2 ଗ୍ରାମ ଦୁଇଟି ପାରିଡାଇନ, ଦୁଇଟି ଅଲକସିନ ଏନ, ମିଥାଇଲ ଆୟୋଡିନ ଦିଶ ମିଲିଲିଟର ପରିଷ୍କୃତ ଜଳରେ ମିଶାଇ 10 ରୁ 15 ମିନିଟ କାଳ ହଲାଇ ଏକ ମିଶ୍ରଣ ତିଆରି କରନ୍ତୁ।

ଭଣ୍ଡାରଣ :

1. ମୂଳ ପ୍ୟାକରେ ଏସମସ୍ତ ଦ୍ରବ୍ୟଗୁଡିକୁ ଭିନ୍ନ ପ୍ରକୋଷ୍ଠରେ ରଖିବା ଦରକାର। ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଖାଦ୍ୟ ପଦାର୍ଥଠାରୁ ଦୁରରେ ଆଲମିରା ଚାବି ପକାଇ ରଖିବା ଦରକାର। ବାଷ୍ପଜନିତ ଦୂଷିତକରଣ ରୋକିବା ନିମନ୍ତେ, ଭଣ୍ଡାର ଘର ଉତ୍ତମରୂପେ ନିର୍ମିତ, ଶୁଷ୍କ ଓ ଥଣ୍ଡା ରହିବା ଦରକାର।
2. ପ୍ୟାକେଟ ଗୁଡିକୁ ଏପରି ଭାବେ ଭଣ୍ଡାରଣ କରାଯିବା ଦରକାର ବା ନବା ଆଣିବା କରିବା ଦରକାର। ଯେପରିକି ସେଗୁଡିକ ଖାଦ୍ୟ ପଦାର୍ଥ ଏବଂ ପଶୁ ଚାରା ର ସଂପର୍କରେ ନା ଆସେ।

ରଖିବା :

1. ଫଙ୍ଗୁଦନାଶକ ଔଷଧ ଯଦି ବନ୍ଦ ପଡ଼େ ସେଗୁଡିକୁ ନିରାପଦ ଉପାୟରେ ଏପରି ଫୋପାଡିବା ଦରକାର। ଯେପରିକି ପରିବେଶ ଓ ଜଳ ଦୂଷିତ ହେବାରୁ ରକ୍ଷା ପାଇବ।
2. ବାହାରେ ଫୋପଡିଲେ କାଳେ ଆଉଥରେ କେହି ବ୍ୟବହାର କରି, ସେଥିପାଇଁ ସଚେତନ ରହିବା ଆବଶ୍ୟକ।
3. ଶୂନ୍ୟ ଘୁମବା ବସ୍ତୁ ଯେଉଁଥିରେ ଶସ୍ୟ ରଖା ହୁଏ ଖାଲି ହେବାପରେ ମାଟି ତଳେ ଦେବା ଭଲ।

ସଚେତନତା :

1. ଫଙ୍ଗୁଦନାଶକ ଦ୍ରବମର ଘନୀକରଣ ପ୍ରକ୍ରିୟା ସମୟରେ ଦ୍ରବଣ ଛିଟିକ ପଡ଼ିବା କିମ୍ବା ଢାକି ହୋଇଯିବା କାରଣରୁ ଯେପରି ନିଶ୍ୱାସରେ ଏହାର ସିଞ୍ଚନକଣା ନ ଯାଏ କିମ୍ବା ଚର୍ମ ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ନଆସେ ସେଥିପାଇଁ ସାବଧାନ ରୁହନ୍ତୁ। ଦ୍ରବଣକୁ ଖାଲି ହାତରେ ମିଶାନ୍ତୁ ନାହିଁ।
2. ବ୍ୟବହାରକାରୀ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଶରୀର ପ୍ରତିରକ୍ଷାକାରୀ ପୋଷାକ ଯଥା ରବର ଦସ୍ତାନା, ରବର ବୁଟସ ଇତ୍ୟାଦି ବ୍ୟବହାର କରିବା ଉଚିତ। ମୁଖମଣ୍ଡଳ ପାଇଁ ଧୁଳି, ପ୍ରତିରୋଧକାରୀ ମୁଖା କିମ୍ବା ଶ୍ୱାସୋଚ୍ଛବାସ ଏବଂ ଗୋଟିଏ ଓଭରଅଲ୍ କିମ୍ବା ରବର ଆପ୍ରନ, ମୁଖୁବା କିମ୍ବା ଟୋପି ଆଦି ବ୍ୟବହାର କରାଯିବା ଉଚିତ।
3. ଉଚ୍ଚ ଘନୀଭୁତ ଦ୍ରବଣକୁ ନିମ୍ନ କିମ୍ବା ସର୍ବନିମ୍ନ ଶକ୍ତିସମ୍ପନ୍ନ ପ୍ରୟୋଗ ଉପକରଣରେ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ, କାରଣ ଏହା ବିପଜ୍ଜନକ ଏବଂ ଏହାକୁ ଏଡ଼ାଇବାକୁ ଯତ୍ନ କରନ୍ତୁ।

ରାସାୟନିକ ମିଶ୍ରଣ :	% ଓଜନ/ଓଜନ
କ୍ଲୋରପାଇରିଫାସ ଟେକ. (ଭାରାନୁସାର 94% ସ.ତ.ରେ ଆଧାରିତ)	21.5
ଇମଲସିଫାୟର୍ସ (ଅଲ୍କାଇଲ ଏରାଇଲ ସଲ୍ଫୋନେଟ ଏବଂ ପୋଲି ଆକ୍ସାଇଡ ଇଥର ବେଷ୍ଟ) ଇଥର–ନୋନ ଆୟନିକ	6.0
ଏରୋମେକ୍ସ	72.5
ମୋଟ	100.0

ପୁନର୍ବାର ସମୟ: 48 ଘଣ୍ଟା

ସାବଧାନତା: ଏହି ଲେବେଲ/ପତ୍ରିକାରେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ କରାଯାଇଥିବା ଫସଲ ବ୍ୟତୀତ ଅନ୍ୟ ଫସଲରେ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।

ক্রি-শান

ক্লোরপাইরিফস 20% ই.সি.

কীটনাশক

ক্লোরপাইরিফস 20% e.c. কর্ন লিফ এফিড, গল মিজ, হিসপা, স্টেম বোরর, পাইরিলা, ডায়মন্ড ব্ল্যাক মথ, রুট গ্রাব, লিফফপার, কালো সাইট্রাস এবং বার্লি, ধান বেত, তুলা, তৈলবীজ এবং শাকসবজিতে মাটির মাছি পোকা। এছাড়াও গম, ছোলা, বার্লি এবং আখ, বাঁধাকপি, পেঁয়াজ, আপেল, বের, সাইট্রাস এবং তামাকের উপর উইপোকা নিয়ন্ত্রণ করে।

ব্যবহাবেব পদ্ধতি :

শস্য	পোকার সাধারণ	মাত্রা প্রতি হেক্টর এ.আই. (গ্রা./%)	ফর্মুলেসন (এম.এল.)	জলে মাত্রা (লিটার)	শেষবার স্প্রে করা আর ফসল কাটার অন্তর (দিন)
যব	কর্ন লিফ এফিড	375	1875	500-1000	
ধান	হিসপা	250	1250	500–1000	--
	লীফ বোলার	375	1875	500–1000	--
	গল মিজ	250	1250	500–1000	--
	ষ্টেম বোরর	250	1250	500–1000	--
তুলো	এফিড	250	1250	500–1000	--
	বোলওয়ার্ম	250	1250	500–1000	--
	সাদা মাছি	250	1250	500–1000	--
	গ্রে উইভিল	250	1250	500–1000	--
	জাসিড	250	1250	500–1000	--
	গোলাপী বোলওয়ার্ম	250-300	1250-2250	500–1000	--
	কাট ওয়ার্ম	750	3750	500–1000	--
বাদাম	আফাইড	200	1000	500–1000	--
চা	স্কেল পোকা	150	750	500-1000	--
	লাল স্লাগ শুঁয়োপোকা	150	750	500-1000	--
বেগুন	সুট এবং ফ্রুট বোরার	200	1000	500–1000	--
বাংধাকপি	ডায়মংড ব্যাকমথ	400	2000	500–1000	--
পেয়াংজ	কট গ্রাব	1000	5000	500–1000	--
সেব	আফাইড	0.05%	750-5000	1500–2000	--
গোলাকার	লীফ হোপার	0.03%	250-3000	1500–2000	--
লেংবূ	ব্ল্যাক সিটিরাস	0.02%	500-2000	1500–2000	--
তামাক	গ্রাউণ্ড বীটল	350	1750	500–1000	--

বিল্ডিং ও ফরেস্ট্রি: (প্রাক এবং পোস্ট কনস্ট্রাকশন) 1.0% এ.আই.

বীজের উপচার জন্য

গম	উইপোকা	3–4 মি.লি./কি.গ্রা. বীজ
বার্লি	উইপোকা	4–6 মি.লি./কি.গ্রা. বীজ
ছোলা	উইপোকা	15–30 মি.লি./কি.গ্রা. বীজ

মাটির উপচার জন্য

গম	উইপোকা	2000-3000 মি.লি. /হেক্টর

চেতাবনী : ক্লোরপাইরিফাস মানুষের পক্ষে বিলম্বিত পলি-নিউরোপ্যাথির কারণ হয়ে উঠতে পারে-যদি তা ঠিকমত ব্যবহার না করা হয়।

প্রয়োগ যন্ত্র : ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার, পা-চালিত স্প্রেয়ার, দোলানো স্প্রেয়ার, কম্প্রেসার ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার এবং এ্যাস পী এইচ টি পী ক্ষমতা সমপন্ন স্প্রেয়ার ব্যবহার করা যায়।

বিষ ক্রিয়ার লক্ষণ : মাথাব্যথা, মাথাঘোরা, পেটেব্যা, অতিরিক্ত চোখ থেকে জল পরা, কাঁপুনি, খেঁচুনি এবং লালা পড়া।

প্রাথমিক চিকিৎসাঃ

1. পেটের মধ্যে চলে গেলে ৫অ সোডিয়াম বাঈকার্বোনেট দ্বরা পাকস্থলী ধুয়ে নিতে হবে।
2. চামড়ায় যেখানে লেগেচে সেই জায়গায় ধুয়ে নিতে হবে এবং নূন জল দিয়ে চোখ ধুয়ে নিতে হবে।

প্রতিষেধক ব্যবস্থা : সঙ্গে সঙ্গে রোগীকে এট্রোপিন দিতে হবে বেশ কয়েক ঘন্টা ধরে 5 থেকে 10 মিটের ব্যবধান 2 থেকে 4 মিলিগ্রাম ডোক্টর বারে বারে তা দিয়ে যেতে হবে। যদি বিশেষ লক্ষণ তখন ও দেখা যায় তবে ওট্রোপিন আরো দেবার দরকার হতে পারে। দিনে এ জন্য 25 থেকে 50 মিলিগ্রাম লাগাতে পারে। লালা ঝরার মাত্র অনুযায়ী এট্রোপিনের ডোজ স্থির করা যেতে পারে।

10 মি.গ্রা. বিশুদ্ধ জলে2 পাইরিডাইন2 আলডাক্সিন এন-মিথাইল আয়োডিন (2 পি.এ.এম)র 1-2 গ্রাম মিথাইল থাওয়াবেন। এই মিশ্রণ খুব আস্তে আস্তে 10-15 মিনিট দিতে হবে।

মজুত করনঃ

1. কীটনাশকর কৌটা বা প্যাকেট আলাদা ঘরে অথবা স্থনে, অন্য জিনিস থেকে বিশেষ ক'রে খাবার জিনিস থেকে দূরে রাখা উচিত। অথবা কীট নাশকের মাত্রায় এবং ধরনের ওপর ভিত্তি করে আলাদা অলমারীতে তালা লাগানের রাখতে হবে।
2. কীটনাশকের মজুত স্থনে আলো হওয়া যুক্ত, শুকনো, শক্ত এবং বেশ বড়সড় হওয়া উচিত যাতে বাস্প দূষন না হতে পারে।

খালি কৌটা সরিয়ে ফেলা :

1. এগুলিকে যোনো জনবসতী থেকে দূরে পুতে ফেলবেন।
2. দ্বিতীয় বার এর ব্যহার যাতে না হয় সেই জন্য এ গুলিক বাইরে ফেলবেন না।
3. সাধান ভবে খালি কৌটো এবং যন্ত্র ধোবা জল দূরে সরিয়ে ফেলতে হবে যাতে জল এবং পরিবেশ দূষিত না হয়।

সতর্কতা :

1. ব্যবহার করার সময় নিশ্শ্বাসের সঙ্গে যাতে শরীর টুকতে না পারে এবং মেশাবার সময় ছিটকে গিয়ে বা পড়ে গিয়ে দেহের চামড়ায় না লাগে সে বিষয়ে সতর্ক থাকতে হবে। খোলা হাত দিয়ে কীটনাশক কখনো মেশাবেন না।
2. ব্যবহারকারীদের সম্পূর্ণভাবে সুরক্ষা মূলক পোষাক পড়তে হবে এবং হাতে দস্তানা পরে নিতে হবে। তাছাড়া বুট পড়ে নিতে হবে ও মুখ কোন মুখোস বা কিছু দিয়ে টেকে নিতে হবে এবং পোশাকের ওপরে কোন রবারের এয়্যাপ্রেন ও টুপি পড়ে নিতে হবে।
3. খুব বেশী কনসেন্ট্শানের লো এবং আল্ট্রা লো ভলুম প্রয়োগ করার সরঞ্জাম বিপদজনক তা এড়িয়ে চলতে হবে।

রাসায়নিক মিশ্রণ :

ক্লোরপায়রীফাস টেক্নীকল (ভোরঅনুসার 94 স.ত.রে আধারিত)	21.5% ভার/ভার
ইমল্সীফায়ার ক্যাল্শিয়াম অলকাইল এরিল সল্ফোনেট পালী আক্সি ইথাইলীন ইথর	6.0% ভার/ভার
সোল্বেংট এরোম্যাক্স	72.5% ভার/ভার
কুল	100.0% ভার/ভার

পুনরায় ভর্তির সময়কাল - 48 ঘন্টা।

সতর্কতাঃ এই লেবেলে নির্দেশিত ফসল ব্যতীত অন্য ফসলে ব্যবহারের জন্য নিষিদ্ধ।

क्रि-शान

क्लोरोपाईरीफोस २०% ई.सी.

कीटनाशक

क्लोरोपाईरीफोस २०% ई.सी. बार्ली, गन्ना, कपास, तिलहन तथा सब्जियों पर होने वाले मक्की के पत्ते का माहू, पोगा, गार्ड, कर्कश रोमिल, तना छेदक, पर्णवालगी आदि कीटों के खिलाफ असरकारक है तथा गेहूं, चना बाजरा व गन्ने पर होने वाले दीमक की रोकथाम करता है।

चेतावनीः ठीक प्रकार प्रयोग नहीं करने पर, क्लोरोपाईरीफोस से मनुष्यों में डिलेटेड पोलीन्यूरोपैथी हो सकती है।

उपयोगः

फसल	कीटक का सामान्य नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा स.तत्व पी.आई. (ग्रा/%)	संयोजन (मि.ली.)	पानी की मात्रा (लीटर)	आखिरी छिड़काव व फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)
जौ	मक्की के पत्ते का माहू	३७५	१८७५	५००–१०००	
धान	कर्कस रोमिल	२५०	१२५०	५००–१०००	
	पत्ती लपेटक	३७५	१८७५	५००–१०००	
	तना छेदक	२५०	१२५०	५००–१०००	
	पोग गार्ड	२५०	१२५०	५००–१०००	
कपास	माहू	२५०	१२५०	५००–१०००	
	डोडे की सुंडी	२५०	१२५०	५००–१०००	
	सफेद मक्खी	२५०	१२५०	५००–१०००	
	धुसर धुन	२५०	१२५०	५००–१०००	
	तेला	२५०	१२५०	५००–१०००	
	गुलाबी डोडे की सुंडी	२५०–३००	१२५०–२२५०	५००–१०००	
	कुटवा कीट	७५०	३७५०	५००–१०००	
मूंगफली	माहू	२००	१०००	५००–१०००	
बैंगन	तना व फल छेदक	२००	१०००	५००–१०००	
चाय	शलक कीड़ा	१५०	७५०	५००–१०००	
	लाल स्लग इल्ली	१५०	७५०	५००–१०००	
गोभी	डायमंड पीठ कीट	४००	२०००	५००–१०००	
प्याज	जड़ छेदक	१०००	५०००	५००–१०००	
सेब	माहू	०.०५%	३७५०–५०००	१५००–२०००	
बेर	पत्ती का फुदका	०.०३%	२२५०–३०००	१५००–२०००	
नींबू	नींबू का काला कीट	०.०२%	१५००–२०००	१५००–२०००	
	माहू	०.०२%	१५००–२०००	१५००–२०००	
तम्बाकू	दीमक	३५०	१७५०	५००–१०००	

बिल्डिंग व वन योग्य : (भवन निर्माण से पहले व बाद में) १.० %

बीज पर उपचार :

गेहूँ	दीमक	–	३–४ प्रति किलो बीज
चना	दीमक	–	१५–३० प्रति किलो बीज
जौ	दीमक	–	४–६ प्रति किलो बीज

भूमि रक उपचार नालियों में :

गेहूँ	दीमक	–	२०००–३००० प्रति हेक्टेयर

पौध सुरक्षा यंत्रः १. उच्च वाल्यूम छिड़काव- नैपसैक स्प्रेयर या स्टीरअप पंप स्प्रेयर जिसके साथ फैन समान नोजल लगा हो ताकि कीटों की प्रभावकारी रोकथाम हो सके।

२. कम वाल्यूम छिड़कावः मौटराइज्ड नैपसैक मिस्ट ब्लोयर कम डस्टर।

संग्रहण की शर्तेः

१. कीटनाश के डिब्बों का संग्रहण अलग कमरे या स्थान पर अन्य वस्तुओं विशेषकर खाद्य पदार्थो के संग्रहण कक्ष से दूर किया जाना चाहिए या कीटनाशक की मात्रा और स्वभाव पर निर्भर करते हुए डिब्बों को अलग अलमारी में ताला चाबी लगाकर रखें।
२. संग्रहण कक्ष मजबूत, रोशनीदार,ठंडा, शुष्क हवादार तथा पर्याप्त लम्बाई–चौड़ाई का होना चाहिए।

खाली डिब्बों का निपटाराः

१. खाली डिब्बे, बचा हुआ सामान, कीटनाशकों तथा डिब्बों की धोवन का सावधानीपूर्वक निपटारा करें जिससे जल व पर्यावरण दूषित न हो।
२. खाली डिब्बों का पुनः प्रयोग रोकने के लिए इन्हें बाहर न छोड़ें।
३. डिब्बों को तोड़कर आबादी से दूर गाढ़ दें।

प्रयोगकर्ता द्वारा सावधानियाँ - १. छींटों द्वारा त्वचा पर न लगने दें तथा श्वास द्वारा अंदर न जानें दें। नंगे हाथों से मत मिलायें।
२. प्रयोगकर्ताओं को पूर्णतया सुरक्षात्मक कपड़े, जैसे – रबर के दस्ताने, मुंह को ढकें या डस्ट मास्क या ओवरआल या रबर का ऐपरन, हुड या टोप आदि का प्रयोग करना चाहिए।
३. तेज छिड़काव में अधिक या अत्यधिक कम मात्रा छिड़काव यंत्रों का प्रयोग खतरनाक है इसका प्रयोग न करें।

प्रयोग की सीमायें-

१. ऐसी स्थिति में प्रयोग न करें जहाँ मधुमक्खियों, मछलियों, जीव–जन्तु, जंगली पशु–पक्षियों को हानि पहुंचने की संभावना हो।

जहर के लक्षण- प्रारंभिक विष लक्षण इन सबका मिला जुला रूप है। सिरदर्द, चक्कर आना, जी मिचलाना, उल्टी, धुंधला दिखना, पसीना आना व मुंह से बहुत अधिक लार गिरना।

प्राथमिक चिकित्सा-

रोगी को खुली हवा में ले जाएं। गले के पीछे गुदगुदी कराकर उल्टी करायें। दूषित त्वचा को साबुन व पानी से धोएं।

विषरोधकः

१. रोगी को तुरन्त एट्रोपीन दें तथा हर ५–१० मिनट के अंतर पर २–४ मि.ग्रा. एट्रोपीन की मात्रा रोगी को देते रहें। ऐसा लगातार कई घंटो तक जारी रखें। लक्षणों के फिर भी उभरते रहने पर २५–५० मि.ग्रा. एट्रोपीन की मात्रा जारी रखने का अनुमान लगाया जा सकता है।
२. १–२ मि.ग्रा. –पिरिडीन–२ एलडोजीन–एन–मिथाइल–आयोडीन (२ पी.ए.एम.) १० सी.सी. पानी में मिलाकर १०–१५ मिनट लगातार पिचकारी की मदद से शरीर में डालें।

रासायनिक संरचना :

क्लोरोपाईरीफोस सक्रिय तत्व (न्यूनतम ९४% शुद्धता)	२१.५% भार/भार
एरोमेक्स– घुलनशील तत्व	७२.५% भार/भार
एमुल्सीफायर्स (कैल्शियम अल्कायल एराइल सल्फोनेट व पोलीओक्सीईथीलीन ईथर)	६.०% भार/भार
योग	१००.०% भार/भार

पुनः प्रवेश अवधिः ४८ घंटे

चेतावनी : इस लेबल/पत्रिका पर निर्देशित फसलों के अलावा अन्य फसलों पर उपयोग मना है।

Kri-Shan

Chlorpyrifos 20% E.C.

Insecticide

Chlorpyrifos 20% E.C. is effective against Corn leaf aphid, Gall midge, Hispa, Stem borer, Pyrilla, diamond black moth, root grub, leaf hopper, black citrus, and ground beetle pests on Barley, paddy Sugarcane, Cotton, oilseeds and vegetables and also controls Termite on Wheat, Gram, Barley and Sugarcane, cabbage, onion, apple, ber, citrus and tobacco.

Caution: Chlorpyrifos 20% E.C. may cause delayed polyneuropathy in human beings, if not handled properly.

Recommendation :

Corp	Common Name of Pest	Dosage per hactare AI (gm/%)	Formulation (ml.)	Dilution in Water (Ltrs.)	Waiting Period between last spray to harvest
Barley	Corn leaf aphid	375	1875	500-1000	
Paddy	Hispa	250	1250	500-1000	
	Leaf roller	375	1875	500-1000	
	Stem borer	250	1250	500-1000	
	Gall midge	250	1250	500-1000	
Cotton	Aphid	250	1250	500-1000	
	Bollworm	250	1250	500-1000	
	White fly	250	1250	500-1000	
	Grey weevil	250	1250	500-1000	
	Jassid	250	1250	500-1000	
	Pink bollowrm	250-300	1250-2250	500-1000	
	Cut Worm	750	3750	500-1000	
Groundnut	Aphid	200	1000	500-1000	
Brinjal	Shoot & Fruit borer	200	1000	500-1000	
Tea	Scale insect	150	750	500-1000	
	Red slug caterpillar	150	750	500-1000	
Cabbage	Diamond blackmoth	400	2000	500-1000	
Onion	Root grub	1000	5000	500-1000	
Apple	Aphid	0.05%	2350-5000	1500-2000	
Ber	Leaf hopper	0.03%	2250-3000	1500-2000	
Citrus	Black citrus	0.02%	1500-2000	1500-2000	
	Aphid	0.02%	1500-2000	1500-2000	
Tobacco	Ground beetle	350	1750	500-1000	

Building & Forestry : (Pre and Post Constructions)1.0%

Seed Treatment

Wheat	Termite	- 3-4 per kg seed
Gram	Termite	- 15-30 per kg seed
Barley	Termite	- 4-6 per kg seed

Soil application in furrows

Wheat	Termite	- 2000-3000 per hactare

Protection Equipment: 1) High Volume spraying : Knapsack sprayer or stirrup pump sprayer with fan type of nozzle to ensure fine drop lets for better pest control.
2) Low volume spraying: Motorised knapsack mist blower-cum-duster.

Storage:

1. The packages containing the insecticides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the nature of the insecticide.
2. The store room should be well lit, well built, dry, cool, ventilated and of sufficient dimensions.

Disposal of containers:

1. Used packages or surplus material and washings of the insecticides and containers shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Precautions by users:

1. Avoid inhalation and skin contact while dilution because of spillages or splashes. Do not mix with bare hands.
2. The user should use full protective clothing which includes rubber gloves, gum boots, face should be covered with dust mask. Use overall, rubber apron hood or hat.
3. Use in high concentration with low and ultra low volume application equipment is dangerous and should be avoided.

Limitations for use: Do not use in those situations if there is possibility of harming bees and fish, livestock, game, wild birds and animals.

Symptoms of poisoning: The early symptoms may be combination of headache, giddiness, vertigo, nausea, vomitting, blurred vision, sweating, excessive lacrimation and salivation.

First aid measures: Remove the patient to fresh air. Induce vomitting. by tickling the back of throat. Wash contaminated skin with soap and water.

Drug Therapy:

1. Atropinize the patient immediately and maintain full atropinization by repeated dosed of 2 to 4 mg at 5 minutes to 10 minutes interval for hours together. The need for further atropine administration in indicated by the continuance of symptoms. As much as 25 to 50 mg may be required in a day. The extent of salivation is useful criterion to follow in adjusting the dosage of atropine.
2. Administer 1-2 gm of 2-pyridine -2-aldozine-N-mehtyl-odine (2 PAM) diluted in 10 c.c. of distilled water and injected intravenously, very slowly taking 10 to 15 minutes.

Composition:

Chlorpyrifos a.i. (94% min. purity)	21.5% w/w
Solvent-Aromex	72.5% w/w
Emulsifiers (Calcium alkyl aryl sulphonate and polyoxyethlene ether	6.0% w/w
Total	100.0% w/w

Re-entry Period : 48 hrs.

Caution : Not to be used on Crops other than specified on this Label/Leaflet.

Read Instruction Leaflet before use.
उपयोग से पहले निर्देश पत्रिका पढ़ें।
For Agricultural use only.
केवल कृषि उपयोग के लिए।
Store in a cool, dry and well ventilated place.
ठंडी, सूखी और अच्छी तरह हवादार जगह में संग्रह करें।

Chlorpyrifos 20% E.C.

Kri-shan

Insecticide

क्लोरोपाईरीफोस २०% ई.सी.

क्रि-शान

कीटनाशक

Regn. No. : CIR-38,034/2002-Chloropyrifos (EC)-2267

KRISHI RASAYAN GROUP
SINCE 1966 IN AGROCHEMICALS

Manufactured & Marketed By :
KR Lifesciences Pvt. Ltd.
29, LALA LAJPAT RAI SARANI, KOLKATA-700 020
E-mail : kr@krishirasayan.com

निर्माता एवं विपणनकर्ता :
केआर लाईफसांईसेस प्रा. लि.
29, लाला लाजपत राय सारनी, कोलकाता–700 020

For Manufacturing unit address see first three characters of Batch No. and see below :

KRR
Maitapur, P.O. Ranital, Balasore, Orissa-756111
Mfg. Lic. No. : e-Lic/INSECTI/MAN-PP-2

KRK
Joykrishnapur, P.O. Bonhoogly II, Sonarpur, South 24 Parganas, West Bengal-700 103
Mfg. Lic. No. : MPP/ILC/145/K-2

Customer Care Detail :
KR Lifesciences Pvt. Ltd.
29, Lala Lajpat Rai Sarani, Kolkata-700 020
Toll Free No. : 18001211800
E-mail : customercare@krishirasayan.com

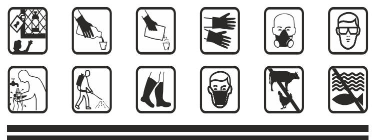

ক্রি-শান

ক্লোৰপাইৰিফচ 20% ই.চি.

...কীটনাশক

ক্ল'ৰপাইৰিফছ ২০% ই.চি. কণৰ পাতৰ এফিড, গাল মিডজ, হিস্পা, ষ্টেম ব'ৰাৰ, পাইৰিলা, হীৰা ক'লা মথ, শিপাৰ গ্ৰাব, পাতৰ হপাৰ, ক'লা ছাইটৰাছ, আৰু পিহি লোৱা ভেকুলীৰ কীট-পতংগৰ বিৰুদ্ধে বালিৰ, ধান চুপাৰকেন, কপাহ, তেলবীজ আৰু শাক-পাচলি আৰু... ঘেঁহু, গ্ৰাম, বালিৰ আৰু চুপাৰকেন, কবি, পিঁয়াজ, আপেল, বেৰ, চাইটৰাছ আৰু ধঁপাতৰ ওপৰত টাম্‌ৰাইট নিয়ন্তৰণ কৰে।

অনুনোদন পদ্ধতি :

শস্য	পোকাৰ সাধাৰণ	মাত্ৰা প্ৰতি হেক্টৰ এ.আই. (গ্ৰা.)	ফৰমুলেসন (এম.এল.)	জলে মাত্ৰা (লিটাৰ)	শেষবাৰ স্প্ৰে কৰা আৰু ফচল কাটাৰ অন্তৰ (দিন)
যৱ	কণৰ পাতৰ এফিড	375	1875	500–1000	--
ধান	হিসপা	250	1250	500–1000	--
	লীফ বোলাৰ	375	1875	500–1000	--
	গল মিজ	250	1250	500–1000	--
	ষ্টেম বোৰৰ	250	1250	500–1000	--
তুলো	এফিড	250	1250	500–1000	--
	বলৱ্‌মৰ	250	1250	500–1000	--
	বগা মাখি	250	1250	500–1000	--
	ধূসৰ ৰঙৰ ৰেভিল	250	1250	500–1000	--
	জাছিদ	250	1250	500–1000	--
	গোলাপী বল কৃমি	250-300	1250-2250	500–1000	--
	কাটৱ্‌মৰ	750	3750	500–1000	--
চাহ	স্কেল পোক	150	750	500-1000	--
	ৰঙা স্লাগ কেটাৰপিলাৰ	150	750	500-1000	--
বাদাম	আফাইড	200	1000	500–1000	--
বেগুন	সুট আৰু ফ্ৰুট বোৰাৰ	200	1000	500–1000	--
বাংধাকপি	ডায়মংড ব্যাকমথ	400	2000	500–1000	--
পেয়াংজ	কট গ্ৰাব	1000	5000	500–1000	--
সেব	আফাইড	0.05%	3750-5000	1500–2000	--
গোলাকাৰ	লীফ হোপাৰ	0.03%	2250-3000	1500–2000	--
লেংবু	ব্লাক সিটৰাচ	0.02%	1500-2000	1500–2000	--
তামাক	গ্ৰাউণ্ড বীটল	350	1750	500–1000	--

বিল্ডিং আৰু বনজ : (নিম্‌ৰাণৰ পূবেৰ আৰু পিছত)1.0%

বীজেৰ উপচাৰ জন্য

গম	টেৰমাইট	3–4 মি.লি./কি.গ্ৰা. বীজ
বাৰ্লি	টেৰমাইট	4–6 মি.লি./কি.গ্ৰা. বীজ
ছোলা	টেৰমাইট	15–30 মি.লি./কি.গ্ৰা. বীজ

মাটিত উপচাৰ লৈতে

গম	টেৰমাইট	2000–3000 মি.লি./ হেক্টৰ

চেতাবনী : ক্লোৰপাইৰিফাচ মানুষেৰ পক্ষে বিলম্বিত পলি-নিউৰোপ্যাথিৰ কাৰণ হয়ে উঠতে পাৰে-যদি তা ঠিকমত ব্যবহাৰ না কৰিব।

প্ৰয়োগ কৰা সঁজুলি : ন্যাপসেক ফুট স্প্ৰেয়াৰ, কম্প্ৰেশান ন্যাপসেক স্প্ৰেয়াৰ, কম্প্ৰেশন ন্যাপসেক ব্যাটৰী স্প্ৰেয়াৰ আৰু এ.এস.পী.ই.-এচ.টী.পী. পাবৰ স্প্ৰেয়াৰ।

বিষ ক্ৰিয়াৰ লক্ষণ : মাথাব্যথা, মাথাঘোৰা, পেটেব্যা, অতিৰিক্ত চোখ থেকে জল পৰা, কাঁপুনি, খেঁচুনি এবং লালা পড়া।

প্ৰাথমিক সাহায্য ব্যৱস্থা : 1. যদিহে পেটলৈ গৈছে, গ্যাস্ট্ৰিক ল্যাভেজ দি ৰমি কৰোৱাৰ।
2. দুষিত গাৰ অংশ আৰু কাপোৰকানি ভালদৰে ধুই পেলাৰ আৰু চকুলৈ প্ৰচুৰ পৰিমাণে পৰিষ্কাৰ পানী ছটিয়াব।

বিশনাশক : ৰোগীক তৎক্ষণাত এট্ৰ'পিন দিব আৰু লক্ষণবিলাক নোবোৱালৈকে 5-10 মিনিটৰ ব্যৱধানত বাৰে বাৰে 2-4 মিগ্ৰা. মাত্ৰাত এট্ৰ'পিন দি থাকিব।
2 পাইৰিডন-2-এলডক্সিন-এন-মিথাইল আয়'ডিন (2 পিএএম) ৰ 1-2 গ্ৰাম 10 চিচি ডিস্টিল্ড ওৱাটাৰৰ সৈতে মিহলাই খুউব লাছে বাছে 10-15 মিনিট সময় লৈ শিৰাইদি ইনজেকশন দিব।

মজুতকৰন:
1. কীটনাশক থকা পেকেজাবলাক অন্যান্য সামগ্ৰী, বিশেষকৈ খাদ্যসামগ্ৰী মজুত ৰখাৰ বাবে ব্যবহৃত কোঠা বা ঠাইৰ পৰা আঁতৰত পৃথক কোঠা বা ঠাইত মজুত ৰাখিব অথবা কীটনাশকৰ পৰিমাণ বা প্ৰকৃতিৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পৃথক আলমাৰীত তলা মাৰি ৰাখিব।
2. মজুত ৰখা কোঠাটো মজবুত, পোহৰযুক্ত, বতাহ চলাচল কৰা আৰু যথেষ্ঠ আহল-বহল হোবা উচিত। সংগ্ৰহাগাৰৰ পৰিবেশ হোবা উচিত শুকান আৰু চেঁচা।

পাত্ৰসমূহৰ বিনষ্টকৰণ :
1. পেকেজবিলাক, অৱশিষ্ট দ্ৰব্য আৰু মেচিন, পাত্ৰ ধোৱা পথলা কৰা পানী আদি এনেদৰে নিৰাপদে নষ্ট কৰা উচিত যাতে তাৰ দ্বাৰা পৰিবেশ বা পানীৰ প্ৰদূষণ নঘটে।
2. ব্যৱহৃত পেকেজবিলা পুনৰ ব্যৱহাৰ হোৱাত বাধা দিবলৈ সেইবিলাক বাহিৰতে এৰি অহা অনুচিত।
3. পেকেজবিলাক ভাঙি-চিঙি জনবসতিৰ পৰা আঁতৰত পুতি পেলাব।

ব্যৱহাৰকাৰীয়ে লব লগা সাৱধানতা : উশাহত নলব আৰু মিহলাবন সময়ত ৰাগৰি বা ছিটিকি পৰি গাত লাগিবলৈ নিদিব। খালী হাতেৰে নিমিহলাব। প্ৰয়োগ কৰোঁতাজনে ৰবৰৰ হাতমোজা, ৰবৰৰ পুট আদি সম্বন্ধিতে সম্পূৰ্ণ সুৰক্ষিত সাজ-পোচাক পিন্ধি লোৱা উচিত। মুখখন মুখা বা ৰেস্পিৰেটৰৰ দ্বাৰা ঢাকি লোৱা উচিত। তাৰোপৰি অভাবঅল বা ৰবৰৰ এপ্ৰন, হুদ বা টুপী আদি পিন্ধি লোৱা উচিত।

ৰাসায়নিক মিশ্ৰণ :

ক্লোৰপায়ৰীফাচ টেক্নীকল (ভাৰঅনুচাৰ 94 স.ত. আধাৰিত)	21.5% ওজন/ওজন
ইমল্সীফায়াৰ ক্যাল্শিয়াম অলকাইল এৰিল চল্ফোনেট পালী আক্সি ইথাইলীন ইথৰ	6.0% ওজন/ওজন
সোল্বেংট এৰোম্যাক্স	72.5% ওজন/ওজন
মোট	100.0% ওজন/ওজন

এই প্ৰচাৰ পুস্তিকাত নিৰ্দ্দেশ দিয়াৰ বাহিৰে আন প্ৰকাৰে শস্যত প্ৰয়োগ নকৰিব।

পুনৰ প্ৰৱেশৰ ম্যাদ : 48 ঘন্টা।

সতৰ্কতাঃ এই লেবেলত/লিফ্লেটত উল্লেখিত শস্য বাদ দি আন শস্যত ব্যৱহাৰ কৰা উচিত নহয়।

கிரி-ஷான்

குளோர்பைரீஃபாஸ் 20% இ.சி.

பூச்சிக்கொல்லி

குளோர்பைரிஃபோஸ் 20% இ.சி. சோள இலை அசுவினி, பித்தப்பை, ஹிஸ்பா, தண்டு துளைப்பான், பைரில்லா, வைர கருப்பு அந்துப்பூச்சி, வேர் குருப், இலைப்பேன், கரும்புள்ளி மற்றும் பார்லி, அரிசி கரும்பு, பருத்தி, எண்ணெய் வித்துக்கள் மற்றும் காய்கறிகளில் மண் ஈ பூச்சிகள். கோதுமை, பருப்பு, பார்லி மற்றும் கரும்பு, முட்டைக்கோஸ், வெங்காயம், ஆப்பிள், பெர்ரி, சிட்ரஸ் மற்றும் புகையிலை ஆகியவற்றில் கரையான்களையும் கட்டுப்படுத்துகிறது.

பரிந்துரைசள் :

பயிர்	பூச்சியின் பொதுப்பெயர்	மருந்தளவு/ஹெக்டேருக்கு ஏ.ஐ. (கிராம் /%)	உருவாக்கும் (மிலி)	நீரில் கரையும் அளவு (லிட்டரில்)	கடைசி தெளிப்புக்கும் அறுவடைக்கும் இடையான காத்திருக்கும் காலம்
பார்லி	சோள இலை செடிப்பேன்	375	1875	500–1000	--
நெல்	ஹிஸ்பா இலைக்கடு	250	1250	500–1000	--
	டடுப்பமு	375	1875	500–1000	--
	குருவண்டு	250	1250	500–1000	--
	தண்டு துனுப்பான்	250	1250	500–1000	--
பருத்தி	செடிப்னே	250	1250	500–1000	--
	காய்ப்புழு	250	1250	500–1000	--
	வெள்ளை ஈ	250	1250	500–1000	--
	சாம்பல் கூன் வண்டு	250	1250	500–1000	--
	தத்துப்பூச்சி	250	1250	500–1000	--
	பருத்திக்காய் செம்புழு	250-300	1250-2250	500–1000	--
	வெட்டுப்புழு	750	3750	500–1000	--
வித்துக்கள்	திலக்கட்லை முடைப்புழு	200	1000	500–1000	--
தேயிலை	செதில் பூச்சி	150	750	500–1000	--
	சிவப்பு நத்தைப்புழு	150	750	500–1000	--
கத்தரி	தளிர் துனுப்பான்	200	1000	500–1000	--
வேர	அரிப்புப் புச்சி	400	2000	500–1000	--
வெங்காயம்	மூடன்டப்புமு	1000	5000	500–1000	--
ஆப்பிள்	முட்டைப்புமு	0.05%	3750–5000	1500–2000	--
பேர்	சிபரஸ்	0.03%	2250-3000	1500-2000	--
சைட்ரஸ்	முட்டைப்புழு	0.02%	1500-2000	1500-2000	--
தக்காளி	திலவண்டு	350	1750	500–1000	--

கட்டிடம் & வனவியல்: (கட்டுமானத்திற்கு முன் மற்றும் பின்) 1.0% ஏ.ஐ.

விதைச்சிசிச்சை

கோதுமெ	கரையான்	3–4 மிலி/கிகி விதை
பார்லி	கரையான்	4–6 மிலி/கிகி விதை
பயறு	கரையான்	15–30 மிலி/கிகி விதை
மனல்பகுதியில்		
கோதுமெ	கரையான்	2000–3000 மிலி/ஹெக்டர்

எச்சரிக் : குளோர்பைரிஃபாஸ் கரியாக்க கையான்னானிட்ட செஸ்வதாலும் நச்சத் தன்மையெ கௌயல் கோளாறுகனு எற்டுத்தலாம்.

செயல்படுத்த உதவும் உபகரணங்கள்: மோட்டார் விசை தெளிப்பான்கஎான நாப்ஸாக் ஸ்பிரேயர், ராக்கிங் ஸ்பிரேயர், பூட் ஸ்பிரேயர், கம்ப்ரஷன் நாப்ஸாக் ஸ்பிரேயர், கம்ப்ரஷன் பேட்டரி நாப்ஸாக் ஸ்பிரேயர் மற்றும் ஆஸ்பி ஹெச்டிபி ஸ்பிரேயர்களை பயன்படுத்தலாம்.

விஷ அறிகுறிகள் : தலைவளி, மயக்கம், தலை சுற்றல், மூச்சுத் திணால், வாந்தி வருதல், பார்வை மங்கல், வியர்வை.

முதலுதவி நடவடிக்கைகள் :
1. மருந்து விழங்கப்படிருத்தால், 5% சோடியம் பைகார்ப்னேட்டன் கலந்து காஸ்ட்ரிக் லாவேஜ் கொடுக்கலாம்.
2. பாதிக்கப்பட்ட தருமத்தையும். எரிச்சலுற்ற கண்களையும் தூய் மையான் நீரில் நள்கு கமுவ்வும்.

விஷ முறிவு

விஷத்தால் பாதிக்கப்பட்ட நோயாளிக்கு விஷமுறிவு மருந்தை 2 முதல் 4 மி.கி. அளவுகளில், 5 முதல் 10 நிமிட இடை வெளிகளில் மணிக்கணக்காக தொடர்ந்து கொடுத்துக்கோண்டு இருக்கவும். ஒரு நாளைக்கு 25 முதல 50 மி.கி. ஆட்ரோபைன் (விஷ முறிவு மருந்து) தேவைப்படும். அதிகபட்ச உமிழ்நீர் சுரப்பு. ஆட்ரோபைன் எவ்வளவு கொடுக்கப்பட வேண்டும் என் பதை நிர்ணயிப்பதற்கு உதவுகிறகு.
1–2 கிராம் 2 பைரிடின் 2– அல்பர்ஸைன்–என்–மெதில் அயோடின் (2–பி.ஏ. எம்.) ஆகியவற்றை 10 மிலி வடிகட்டப்பட்ட தூய நீரில் கலந்து. நோயாளி யின் உடலினாடாக மிக மெதுவாக 10–15 (நிமிடங்கள் வரை செலுத்த வேண் டும்.

சேமித்து வைப்பது :
1. புச்சிக்கோல்லி அதன் ஒரிஜினல் பேக்கிலேயே கழந்தைகளுக்கும், பொருப்பற்றவர்களுக்கும் கால் நடைகளுக்கும் எட்டாமல், வேறுபொடுட்கள் வைக்காத அறைகளில் அல்லது தனி அலமாரியில் வைத்துப் பூட்டவும். வெப்பமோ, ஜிவாலையோ அருகில் வராமல் பார்த்துக்கொன னவும்.
2. புச்சிக்கோல்லி வைக்கும் அறைந்ன்குகட்டப்பட்டு, ஈரமின்றி குளிர்கச்சியாக, காற்றோட்டமும் வெளிச்சமும் இருக்கும்படி, ஆவியாகி மாசுபடாத அளவு பெரியதாகக் கட்டப்பட வேண்டும்.
3. பூச்சிமருந்து உள்ள பெட்டிகளை மற்ற உணவுப்பொருட்கள் அல்லது கால்நடைத் தீவன்கள் மீது படாமல் கொண்டு செல்லவும்.

அப்பறப்படுத்துவது :
1. காலிப் பெட்டிகளை உடைத்து மக்கள் வசிக்காத இடங்களில் ஆழத் தில் புதைக்க வேண்டும் மீண்டும் உபயோகிக்காமல் இருக்கவெளியே போட்டுவைக்கக் கூடாது.
2. பெட்டிகளையோ, மீதியுள்ள மருந்தயோ, ஸ்பிரேயர் கழவிய நீரையோ சுற்றுச்சூழல் அல்லது தண்ணீர் மாசுபடாமல் பாதுகாப்பாக அப்பறப்ப டுத்தவும்.

முன்னெச்சரிக்கைகள் :
1. இம்ருந்தின் கொள்கலங்களை உடைத்து. குடியருப்புப் பதுதியிலிருந்து விலகியுள்ள இடத்தில் புதைது விட வேண்டும்.
2. பயனபடுத்தப்பட்ட பேக்கேஜ்கள் மீண்டும் பயன்படுத்துவதேத் திவிர்க்க வற்றை அப்படியை எியில் எறியக் கூடாது.
3. கொள் கலங்கள் அல்லது மிஞ்சிய மற்றும் கருவி கொள் கலங்களைக்க் மூவிய நீர் ஆகியவற்றை பாதுகாப்பன் முறையில் அப்பறுப்படுத்த வேண் டும் இதனால் சுற்றுச்சூழல் அல்லது ரப்பர் அங்கி, தொப்பி ஆகிய வற்றை அணிந்துகொண்டிருக்க வேண்டும்.

இரசயன கலவை :

குளோர்பைரிஃபாஸ் டெக்னிகல் (94% எஐ டபிள்யு/டபிள்யு அடிப்படையர்க்கொண்டது)	21.5%w/w
இமல்சிஃபயர் கேல்ஷியம் அல்கைல் எரில் ஸல்ஃபோநேட் போலிஆக்ஸி இதலின் இதர்	6.0%w/w
சாலவெண்ட எரோமெக்ஸ்	72.5%w/w
மோத்தம்	100.0%w/w

மறு நுழைவு காலம்: 48 மணி.

எச்சரிக்கை: இந்த லேபிள்/துண்டறிக்கையில் குறிப்பிடப்பட்டுள்ளதைத் தவிர வேறு பயிர்களில் பயன்படுத்தக்கூடாது.

క్రి-షాన్

క్లోర్‌పైరిఫాస్ 20% ఇ.సి.

పురుగు మందు

మొక్కజొన్న ఆకు పురుగు, గాల్ మిడ్జ్, హిస్పా, కాండం తొలుచు పురుగు, పైరిల్లా, డైమండ్ బ్లాక్ మాత్, రూట్ గ్రబ్, ఆకు తొట్టి, నల్ల సిట్రస్ మరియు బార్లీ, వరి చెరకు, పత్తి, నూనెగింజలు మరియు కూరగాయలపై నేల ఈగ తెగుళ్లపై క్లోర్‌పైరిఫాస్ 20% ఇ.సి. గోధుమ, గ్రాము, బార్లీ మరియు చెరకు, క్యాబేజీ, ఉల్లిపాయ, యాపిల్, బెర్, సిట్రస్ మరియు పొగాకుపై చెదపురుగులను కూడా నియంత్రిస్తుంది.

సలహాలు :

పంటు	క్రిమినామం	పరిమాణం ఎ.ఐ. (జి.ఎం.)	తయారి (ఎంఎల్)	నీళ్ళలో ద్రవీకరణం (లీటర్లు)	చివరిబల్లడానికి, కోతకు మధ్య నిరీక్షాకాలం
బార్లీ	మొక్కజొన్న ఆకు పేను బంక పురుగు	375	1875	500–1000	
వరి	ఆకు ముదుత	250	1250	500–1000	--
	గాల్ మిడ్జ్	375	1875	500–1000	--
	కాండము	250	1250	500–1000	--
	తొలుదు పురుగు	250	1250	500–1000	--
ప్రత్తి	అఫిడ్	250	1250	500–1000	--
	బోల్‌వర్మ్	250	1250	500–1000	--
	తెల్ల దోమ	250	1250	500–1000	--
	గ్రే వీవిల్	250	1250	500–1000	--
	జస్సిడ్	250	1250	500–1000	--
	గులాబీ బోల్‌వర్మ్	250-300	1250-2250	500–1000	--
	కట్ వర్మ్	750	3750	500–1000	--
వేరుశనగ	ఎఫిడ్	200	1000	500–1000	--
తేయాకు	స్కేల్ పురుగు	150	750	500–1000	
	రెడ్ స్లగ్ గొంగళిపురుగు	150	750	500–1000	
బ్రింజల్	తొలచేపురుగు	200	1000	500–1000	--
క్యాబేజ్	డైమండ్‌బ్యాక్‌మత్	400	2000	500–1000	--
ఉల్లి	వేరు పురుగు	1000	5000	500–1000	--
అపిల్	ఎఫిడ్	0.05%	3750-5000	1500–2000	--
రేగు	ఆకు మిడత	0.03%	2250-3000	1500–2000	--
నిమ్మ జాతి	ఎఫిడ్	0.02%	1500-2000	1500–2000	--
పోగాకు	పేరు పురుగు	350	1750	500–1000	--

భవంతులు మరియు అడవులు: (నిర్మాణానికి ముందు మరియు తరువాత) 1.0 శాతం ఏ.ఐ.

విత్తిన శుద్ధి

గోధుమ	చెద పురుగులు	3–4 మి.లీ./కి.గ్రా. విత్తిన
బార్లి	చెద పురుగులు	4–6 మి.లీ./కి.గ్రా. విత్తిన
పప్పు	చెద పురుగులు	15–30 మి.లీ./కి.గ్రా. విత్తిన
నేలలో వాడుటకు		
గోధుమ	చెద పురుగులు	2000 – 3000 మి.లీ. / ఎక్టర

జాగ్రత్తలు : పరిసైన పద్ధతిలో ఉపయోగించినట్లయితే క్లోర్‌పైరిఫాస్ మనుషులలో అలస్యంగా వాడే మండల వ్యాధులు కలిగించవచ్చును.

పరికరాలు : నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్లు, రాకింగ్ స్ప్రేయర్లు, ఫుట్ స్ప్రేయర్లు, కంప్రేషన్ నాప్‌సాక్ స్రేయర్లు, కంప్రెషన్ బ్యాటరీ నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్లు, ఎ ఎస్ పి ఇ ఇ హెచ టి పి పవర్ స్ప్రేయరల్లు, పంటి హై వాల్యూమ్ స్ప్రేయర్లు వాడాలి.

విష ప్రభావం లక్షణాలు : తల నొప్పి, తల తిరుగుడు, నడుమునొప్పి, వాంతి భావన, వాంతులు, చూపులో, నోటి వెంట బోంగ మందగింపు.

ప్రథమ చికిత్స :
1. మ్రింగ గలిగినట్లయితే 5%సోడియం బైకార్బొనేటును ఇవ్వడం ద్వారా కదపు శుభ్రమపుతుంది.
2. ఉప్పు నీటితో మందు లంటిన చర్మ భాగాలను కడగాలి కళ్ళను నీటితో అడించాలి.

విరుగుడు : ప్రతి 5 నుండి 10 నిముషాల వ్యవధిలో వ్యక్తికి 2 నుండి 4 ఎంజిల అట్రోపిన్ వెయండి. రోజుకు 25 నుండి 50 ఎంజిల ట్రోపిన్ అవసరం అవుతుంది. చొంగ కారడంను బట్టి అట్రోపిన్ పరిమాణంలో మార్పులు చేయాలి.
ప్రతి 10 నుండి 15 నిమిషాలకు ఇంట్రానీనస్ సూదుల రూపంలో 1-2 గ్రాముల 2 పిరిడిన్. 2-అల్‌డాక్సిన్ ఎన్‌మిథిల్ అయొడిన్‌ను డిస్టిల్‌డ్ నీటిలో ద్రవీకరింపజేసి అందించాలి.

నిల్వ :
1. ఏవైనా వస్తువులు ముఖ్యంగా ఆహార పదార్థాలను నిల్వచేసే గదులకు లేదా ప్రాంగణాలకు దూరంగా ప్రత్యేక గదులలోగానీ ప్రాంగణాలలో గానీ లేదా ప్రత్యేక అల్మారాలలో అంటే క్రిమిసంహారకమందు పరిమాణం, గుణాన్ని బట్టి ప్రత్యేక అల్మారాలలో పెట్టాలి.
2. ఈ క్రిమిసంహారక మందు ఆవిరిలో కలుషితం కాకుండా నిరోధించేందుకుగాను మందు నిల్వచేసేందుకు నిర్మించే గదులు లేదా ప్రాంగణాలు అవసరమైనంత గట్టిగా, ఎత్తు, పొడవు, వెడల్పుతో నిర్మించబడాలి పొడిగా, చల్లగా ఉండి, వెలుతురు, గాలి రావరానికి సదుపాయం ఉండాలి.

ధ్వంసంచేయటం :
1. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఉపయోగించే నిమిత్తం బయట ఉంచకుండా పగుల గొట్టి నివాసాలకు దూరంగా అర మీటరు గొయ్యి త్రవ్వి మట్టిలో పాతిపెట్టాలి.
2. ఖాళీ డబ్బాలను మళ్ళీ ఉపయోగించకుండా నిరోధించేందుకు బయట పడవేయరాదు.
3. ప్యాకింగులను, ఉపకరణాల కడుగు, మిగులు పదార్థాలను జల లేదా వాతావరణ కాలుష్యం జరగకుడా తీసివేయాలి.

జాగ్రత్తలు :
1. నీటిలో కలిపేటప్పుడు బిల్లే మందును పిల్వాటాన్ని చర్మంపై వడుటను నివారించాలి. చతులకు లాడుగులు లేకుండా కలపరాదు.
2. పిచికారి చేసే వ్యక్తి రక్షణ దుస్తులను, రబ్బరు వేతి తాడుగులను, బలాట్లను, ముఖానికి కవచాన్ని రబ్బరు అప్రానను, టోపిని ధరించాలి.

రాసాయనిక మిశ్రమము :

క్లోర్‌పైరిఫాస్ టెక్నికల్ (94 ఎ.ఐ. డబ్ల్యు/డబ్ల్యు ఆధారం)	21.5% డబ్ల్యు/డబ్ల్యు
ఇమల్సిఫైర్ కేల్శియం అల్కైల్ ఎరిల్ సల్ఫోనేట్ పోలిఆక్సి ఇథలిన్ ఇథర్	6.0% డబ్ల్యు/డబ్ల్యు
సాల్వెంట్ అరోమేక్స్	72.5% డబ్ల్యు/డబ్ల్యు
మొత్తం	100.0% డబ్ల్యు/డబ్ల్యు

రీఎంట్రీ వ్యవధి: 48 గంటలు.

హెచ్చరిక : ఈ లేబుల్/లీఫ్‌లెట్‌లో పేర్కొన్న పంటలు కాకుండా ఇతర పంటలకు వాడరాదు.

ಕ್ರಿ-ಶಾನ್

ಕ್ಲೋರ್‌ಪೈರಿಫಾಸ್ 20% ಎಸ್.ಪಿ.

ಕ್ರಿಮಿನಾಶಕ

ಕ್ಲೋರ್ಪೈರಿಫಾಸ್ 20% ಇ.ಸಿ.ಯು ಜೋಳದ ಎಲೆ ಗಿಡಹೇನು, ಗಾಲ್ ಮಿಡ್ಜ್, ಹಿಸ್ಪಾ, ಕಾಂಡ ಕೊರೆಯುವ ಹುಳು, ಪೈರಿಲ್ಲಾ, ಡೈಮಂಡ್ ಕಪ್ಪು ಪತಂಗ, ಬೇರು ಗ್ರುಬ್, ಎಲೆ ಹಾಪರ್, ಕಪ್ಪು ಸಿಟ್ರಸ್ ಮತ್ತು ಬಾರ್ಲಿ, ಭತ್ತದ ಕಬ್ಬು, ಹತ್ತಿ, ಎಣ್ಣೆಕಾಳುಗಳು ಮತ್ತು ತರಕಾರಿಗಳು ಮತ್ತು ನೆಲದ ಜೀರುಂಡೆಗಳ ವಿರುದ್ಧ ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾಗಿದೆ. ಗೋಧಿ, ಗ್ರಾಂ, ಬಾರ್ಲಿ ಮತ್ತು ಕಬ್ಬು, ಎಲೆಕೋಸು, ಈರುಳ್ಳಿ, ಸೇಬು, ಬೆರ್, ಸಿಟ್ರಸ್ ಮತ್ತು ತಂಬಾಕಿನ ಮೇಲೆ ಗೆದ್ದಲುಗಳನ್ನು ಸಹ ನಿಯಂತ್ರಿಸುತ್ತದೆ.

ಶಿಫಾರಸ್ಸು :

ಪದಾರ್ಥ	ಕೀಟನಾಮ	ಪರಿಮಾಣ ಎ.ಐ. (ಜಿಎಂ/%)	ತಯಾರಿಸುವಿಕೆ (ಎಂಎಲ್)	ನೀರಿನಲ್ಲಿ (ದವೀಕರಣ ಲೀಟರ್‌ಗಳಲ್ಲಿ)	ಸಿಂಪಡಿಸುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಸುಗ್ಗಿಗೆ ನಡುವೆ ಇರುವ ಕಾಲ ವ್ಯವಧಾನ
ಬಾರ್ಲಿ	ಕಾರ್ನ್ ಲೀಫ್ ಏಫಿಡ್ಸ್	375	1875	500–1000	--
ಭತ್ತ	ಹಿಸ್ಪ	250	1250	500–1000	--
	ಎಲೆ ಹುಳ	375	1875	500–1000	--
	ಗಾಲ್ ಹುಳ	250	1250	500–1000	--
	ಕಾಂಡ ಕೊರೆಯುವ	250	1250	500–1000	--
ಹತ್ತಿ	ಗಿಡಹೇನು	250	1250	500–1000	--
	ದುಂಡು ಹುಳು	250	1250	500–1000	--
	ಬಿಳಿ ನೊಣ	250	1250	500–1000	--
	ಬೂದು ವೀವಿಲ್	250	1250	500–1000	--
	ಜಾಸಿಡ್	250	1250	500–1000	--
	ಗುಲಾಬಿ ದುಂಡು ಹುಳು	250-300	1250-2250	500–1000	--
	ಕಟ್ ವರ್ಮ್	750	3750	500–1000	--
ಕಡಲೆಕಾಯಿ	ಅಫಿಡ್	200	1000	500–1000	--
ಬದನೆಕಾಯಿ	ಶೂಟ್ ಹಾಗೂ ಹಣ್ಣು ಕೊರೆಯುವ ಹುಳ	200	1000	500–1000	--
ಚಹಾ	ಸ್ಕೇಲ್ ಕೀಟ	150	750	500–1000	--
	ಕೆಂಪು ಚರ್ಮದ ಮಿಡತೆ	150	750	500–1000	--
ಕೋಸು	ಡೈಮಂಡ್ ಬ್ಯಾಕ್ ಮಾತ್	400	2000	500–1000	--
ಈರುಳ್ಳಿ	ಬೇರು ಹುಳ	1000	5000	500–1000	--
ಸೇಬು	ಅಫಿಡ್	0.05%	3750-5000	1500–2000	--
ಬೇರ್	ಎಲೆ ಹುಳ	0.03%	2250-3000	1500–2000	--
ಸಿಟ್ರಸ್	ಕಪ್ಪು ಹುಳ ಅಫಿಡ್	0.02%	1500-2000	1500–2000	--
ಹೊಗೆಸೊಪ್ಪು	ಗ್ರೌಂಡ್ ಹುಳ	350	1750	500–1000	--

ಕಟ್ಟಡ ನಿರ್ಮಾಣ ಮತ್ತು ಅರಣ್ಯಬಳಕೆ: (ನಿರ್ಮಾಣ ಪೂರ್ವ ಮತ್ತು ನಂತರ) 1.0% ಎ.ಐ.

ಬೀಜದ ಆರೈಕೆ

ಗೋಧಿ	ಗೆದ್ದಲು	3–4 ಮಿ.ಲೀ./ಕಿ.ಗ್ರಾ. ಬೀಜ
ಬಾರ್ಲಿ	ಗೆದ್ದಲು	4–6 ಮಿ.ಲೀ./ಕಿ.ಗ್ರಾ. ಬೀಜ
ಬೇಳೆಕಾಳು	ಗೆದ್ದಲು	15–30 ಮಿ.ಲೀ./ಕಿ.ಗ್ರಾ. ಬೀಜ
ಮಣ್ಣಿನ ಆರೈಕೆ		
ಗೋಧಿ	ಗೆದ್ದಲು	2000–3000 ಮಿ.ಲೀ./ಹೆಕ್ಟರ್

ಹೆಚ್ಚರಿಕೆ : ಕ್ಲೋರ್‌ಪೈರಿಫಾಸ್‌ನ್ನು ಸರಿಯಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸದಿದರೆ ಮನುಷ್ಯರಿಗೆ ಇದರಿಂದ ವವಿಧ ರೀತಿಯಗರ ರೋಗಗಳು ಉಂಟಾಗುಬಹುದು.

ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಉಪಕರಣಗಳು : ನ್ಯಾಪ್ಸ್ಯಾಕ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ರಾಕಿಂಗ್ ಸಿಂಪಡಿಕೆ, ಬತ್ತಿಡಿ ಸಿಂಪಡಿಕೆ, ಬಾಟರಿ ಚಾಲಿತ ಬೆನ್ನು ಬೇಲಸಿಂಪಡಿಕೆಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಿಬಹುದು.

ವಿಷ ಪ್ರಭಾವದ ಲಕ್ಷಣಗಳು : ವಿಷ ವೇರಿದ ವ್ಯಕ್ತಿಯಲ್ಲಿ ತಲೆ ನೋವು, ಕಟವೇದನೆ, ವಾಂತಿ, ದೃಷ್ಟಿದೋಷ, ತಲೆ ತಿರುಗುವುದು/ಸುತ್ತುವುದು, ವರ್ಟಿಗೋ ಲಕ್ಷಣಗಳು ಕಂಡುಬರುತ್ತವೆ.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ:
1. ಇದನ್ನು ನುಂಗಿದ್ದರೆ 5% ಸೋಡಿಯಮ್ ಬೈಕಾರ್ಬೋನೇಟ್ ನೀಡಿ ಹೊಟ್ಟೆ ಸ್ವಚ್ಛ (ವಾಂತಿ) ಮಾಡಿಸಬೇಕು.
2. ಕಲುಷಿತವಾದ ಚರ್ಮವನ್ನು ಶುಚಿಗೊಳಿಸಿ ಕಣ್ಣನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿ ತೊಳೆಯಬೇಕು.

ವಿಷಕ್ಕೆ ಔಷಧ : ಪ್ರತಿ 5-10 ನಿಮುಷಗಳಿಗೆ ಒಮ್ಮೆ 2-4 ಎಂಜಿ ಪರಿಮಾಣದಲ್ಲಿ ಆ ಅಟ್ರೊಪಿನ್ ನೀಡಿರಿ. ಒಂದು ದಿನದಲ್ಲಿ, ಸುಮಾರು 25-50 ಎಂಜಿ ಅಟ್ರೋಪಿನ್ ಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಲಾಲಾಜಲದ ಸ್ರಾವವನ್ನು ನೋಡಿ-ಸೂಕ್ತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಅಟ್ರೋಪಿನ್ ನೀಡಬೇಕು.
ಪ್ರತಿ 10-15 ಮಿನುಷಗಳಿಗೆ ಒಮ್ಮೆ ಡಿಸ್ಟಿಲ್‌ಡ್ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ದ್ರವೀಕೃತವಾದ 2 ಪರಿಡಿನ್, 2 ಆಲ್‌ಡಾಕ್ಸಿಸ್ ಎನ್ ಮಿತಿಲ್ ಆಯೋಡಿನ್‌ಗಳನ್ನು ಇಂಟ್ರಾವೀನಸ್ ಸೂಜಿಯ ರೂಪದಲ್ಲಿ ನೀಡಬೇಕು.

ಶೇಕರಣೆ ಮಾಡುವ ರೀತಿ :
1. ಇದನ್ನು ಒರಿಜಿನಲ್ ಪ್ಯಾಕಿನಲ್ಲಿ ಶೇಕರಿಸ ಬೇಕು. ಮಕ್ಕಳಿಂದ ಮತ್ತು ಬೇಜಾಪ್ಯದರಾರು ಜನರಿದ್ದರೆ ಮತ್ತು ಲೈಡ್ ಸಾಕ್ಟ್ ಮುಂತಾದವುಗಳಿಂದ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ರೊಗಡಿಯಲ್ಲ ಇರಸಿರಿ. ಬೇರೆ ವಸ್ತುಗಳಿಂದ ಸಂಪರ್ಕ ವಿಲ್ಲದಂತೆ ಬೀಗ ಮತ್ತು ಬೀಗದ ಕೈ ಹಾಕಿಡಿ.
2. ಇದನ್ನು ಶೇಕರಿಸುವ ಕೋಣೆಯು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಮಜಭೂತನಿವ ಶಿತಲ, ಒಣಹವೆ ಮತ್ತು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಬೆಳಕು ಬರುವಂಥ ವಾಗಿದು ದೊಡ್ಡದಾಗಿ ತೇವಾಂಶದಿಂದ ರಹಿತವಾಗಿರಬೇಕು.

ವಿಸರ್ಜನೆ :
1. ಖಾಲಿಯಾದ ಡಬ್ಬಗಳನ್ನು ಒಡದು ಚೂರು ಚೂರು ಮಾಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಆಳದ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಜನವಸತಿಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ಹೊತುಹಾಕಬೇಕು.
2. ಮರು-ಬಳಕೆಯಾಗದಂತೆ ತಪ್ಪಿಸಲು ತೆರದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಹಾಗೆಯೇ ಬಿಟ್ಟು ಬಿಡಬಾರದು.
3. ಪ್ಯಾಕೀಟ್‌ಗಳನ್ನು ಅಥವಾ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಉಳಿದ ಔಷಧಗಳನ್ನು ಅಥವಾ ಉಪಕರಣವನ್ನು ತೊಳಿದ ನೀರನ್ನು ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯ ಅಥವಾ ಜಲ-ಮಾಲಿನ್ಯ ಉಂಟಾಗದಂತೆ ಸುರಕ್ಷಿತವಾಗಿ ವಿಲಿವಾರಿ ಮಾಡಬೇಕು.

ಜಾಗರೂಕತೆಗಳು :
1. ನೀರಿನೊಂದಿಗೆ ಬೆರೆಸುವಾಗ ಚಿಮ್ಮು ಾಹಗೂ ಚೆಲ್ಲುವ ಔಷಧ ಉಸಿರಾಡದಂತೆ ಅಥವಾ ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ಸೋಂಕದಂತೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆ ವಹಿಸಬೇಕು. ಬರಿ ಕೈಯಿಂದ ಮಿಶ್ರಣ ಝಾಡಬಾರದು.
2. ಉಪಯೋಗಿಸುವವರು ಸುರಕ್ಷಿತ ಕವಚಗಳನ್ನು ಅಂದರೆ ರಬ್ಬರ್ ಕೈಚೀಲ, ಶೂಗಳು, ಮುಖವಾಡ ಹಾಗೂ ಮೈ ಮುಚ್ಚವಂತಹ ರಬ್ಬರ್ ವಸ್ತ್ರ ಹಾಗೂ ತಲೆಗೆ ಟೋಪಿ ಬಳಸಬೇಕು.
3. ಅಧಿಕ ಪ್ರಮಾಣದ ಜೋತೆ ಕಡಿಮೆ ಅಥವಾ ಅತಿಕಡಿಮೆ. ಮೂತ್ರದ ಸಿಂಪಡಿಕೆಯ ಸಾಧನಗಳನ್ನು ಬಳಸುವುದು ಅಪಾಯಕಾರಿಹಾಗೂ ಅದಷ್ಟು ತಡೆಯುಬೇಕು.

ರಾಸಾಯನಿಕ ರಚನೆ :

ಕ್ಲೋರಪೈರಿಫಾಸ್ ತಾಂತ್ರಿಕ (94% ಎ.ಐ. ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು ಆಧಾರಿತ)	21.5% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು
ಇಮಲ್ಸಿಫೈರ್ ಕ್ಯಾಲ್ಸಿಯಂ ಅಲ್ಕೈಲ್ ಎರಿಲ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್ ಪೋಲಿಆಕ್ಸಿ ಇಥೇಲಿನ್ ಇಥರ್	6.0% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು
ಸಾಲ್ವೆಂಟ್ ಆರೋಮೇಕ್ಸ್	72.5% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು
ಒಟ್ಟು	100.0% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು

ಮರು–ಪ್ರವೇಶದ ಅವಧಿ: 48 ಗಂಟೆಗಳು.

ಎಚ್ಚರಿಕೆ: ಈ ಲೇಬಲ್/ಕರಪತ್ರದಲ್ಲಿ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಪಡಿಸಿದ ಹೊರತುಪಡಿಸಿ ಬೇರೆ ಬೆಳೆಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಬಾರದು.

ക്രി-ഷാൻ

ക്ലോർപിറിഫോസ് 20% ഇ.സി.

... കീടനാശിനി

ക്ലോർപിരിഫോസ് ടെക്നിക്കൽ അധാരമാക്കിക്കലമ്പു തപത്തിൽ കട്ടിയായി ഉളഭാക്കിയ ഈ കീടനാശിനി സ്പർശനത്തിലുടെയും. അമാശയത്തിൽ ചെന്നലും പകരുനന്ന വിഷമാണ്.

ജെവശേഷിയും ഉപയോഗത്തിൽമുള്ള ശുപാർശകളും : (ക്കേണ്ടങ്ങങ്ങളവുകൾ കീടനാശിനിയ്യുടെശക്കി 1.0 അയിരിക്കണം).

വിള	കീടത്തിന്റെ പേര്	ഡോസേജ്/ഹെക്ടർ എ.ഐ. (ഗ്രാം)	ഫോർമുലേഷൻ (മില്ലി)	ലായിനിക്കുള്ള വെള്ളം (ലിറ്റർ)	അവസാന തളിയ്ക്കും കൊയ്ത്തിനും ഇടയ്ക്കുള്ള പ്രതീക്ഷിത കാലം
ബാർലി	ചോളം ഇല മുഞ്ഞ	375	1875	500–1000	--
നെല്ലു	ഹിസ്പാ	250	1250	500–1000	--
	ഇലപുരുട്ടിപ്പുഴു	375	1875	500–1000	--
	ദാൾവിസ്ജ്ജ	250	1250	500–1000	--
	തണ്ടുതുപ്പെൻ	250	1250	500–1000	--
പരുത്തി	മുഞ്ഞ	250	1250	500–1000	--
	ബോൾവോം	250	1250	500–1000	--
	വെള്ളീച്ച	250	1250	500–1000	--
	ചാര കോവല	250	1250	500–1000	--
	ജാസിദ്	250	1250	500–1000	--
	പിങ്ക് ബോൾ വേം	250-300	1250-2250	500–1000	--
	കട്ട്‌വോം	750	3750	500–1000	--
നിലക്കടല	അഫിഡ്	200	1000	500–1000	--
ചായ	ചെതുമ്പൽ പ്രാണി	150	750	500–1000	--
	ചുവന്ന സ്ലഗ് കാറ്റർപില്ലർ	150	750	500–1000	--
വഴുതന	ഇമ്പുപലവും	200	1000	500–1000	--
കാബേജ്	സയമണ്ടബ്ലാക്ക്	400	2000	500–1000	--
ഉള്ളി	വെർതിനിപ്പുഴു	1000	5000	500–1000	--
അപ്പിൾ	അഫിഡ്	0.05%	3750-5000	1500–2000	--
ഊതഷന	ഉലത്തുള്ളൻ	0.03%	2250-3000	1500–2000	--
സിടസ്	ബ്ലാക്ക് സിടസ് അഫിഡ്	0.02%	1500-2000	1500–2000	--
പകയില	ഗ്രൗണ്ട്ബീറ്റൽ	350	1750	500–1000	--

വൃക്ഷണ്ടളിലും മണ്ടിലും കെട്ടിടണളിൻ 1% ഏ.ക.

വിളകളിൻ ചിതൽ ശല്യം നിയന്ത്രിക്കന്നതിന്:

വിത്ത് ചികിത്സ		
ഗോതമ്പ്	ടർമൈറ്റ്	3.0-4.0 മി.ലി./ ക്രാം/വിത്ത
കടല വിത്തുകൾകുള്ള	ടർമൈറ്റ്	15-30 മി.ലി./ ക്രാം/വിത്ത
ബാർലി	ടർമൈറ്റ്	4.0-5.0 മി.ലി. കാം/വിത്ത
മണ്ണ് ചികിത്സ		
ഗോതമ്പ്	ടർമൈറ്റ്	2000-3000 ലിട്ടർ/ഹെക്ടർ

മുൻകരുതലുകൾ : ക്ലോർപിറിഫോസ് വേണ്ടവിധം കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നില്ലെങ്കിൽ. മൻഷ്യുറൽപിന്നിട് നാഡിസംബമായ പല അസുവങ്ങളും ഉണ്ടാകാവുന്നതാണ്.

പ്രയോഗത്തിനുള്ള ഉപകരണങ്ങൾ:- നാപ്സാക്ക് സ്പ്രെയർ റോക്കിംഗ് സ്പ്രെയർ, ഫൂട്ട് സ്പ്രെയർ, കംപ്രഷൻ നാപ്സാക്ക് സ്പ്രെയർ, കംപ്രഷൻ ബാറ്ററി നാപ്സാക്ക് സ്പ്രെയർ, ആസ്പീ-എച്ച്.ടി.പി. പവ്വർ സ്പ്രെയർ തുടങ്ങിയ സാധാരണ ഹൈ വോളിയം സ്പ്രേ ഉപകരണങ്ങൾ ഉപയോഗിക്കണം.

വിഷബാധ്യുടെ ലക്ഷണണ്ടുൾ :
തലവേദല, തലകറക്കം, മനം, വിരടൽ, ഓകാനം ഛർദ്ദി, വിയർപ്പ്, സാധാരണയിൽ കവിണ്ണ കണ്ണീർ വരൽ, ഉമിനീരൊഴുക്ക ഇപയിൽ ഒന്നോ അതിൽ കുടുതലോ അയിരിക്കും വിഷബാധ്യുടെ തുടക്കത്തിലെ ലക്ഷണണ്ടൾ.

പ്രഥമ സുശ്രുഷ :
1. അകത്തേയക്ക് കഴിച്ചിട്ടുണ്ടെങ്കിൽ 5% സോഡിയം ബൈകാർ-ബണെറ്റ് കൊണ്ട് ത്തമാശയം വൃത്തിയാക്കുക.
2. തൊലിപ്പുറത്തോ കണ്ണിലോ അയിട്ടുണ്ടെങ്കിൽ സാധാരണ ഉപ്പുവെള്ളം കൊണ്ട കഴുക്കുക.

മറുമറുന്ന്:
രോഗിയെ ഉടനടി ആൻട്രോപ്പിനൈസ് ചെയ്യുക്. തുടർഷയായി 5 മുതൽ 10 മിനിറ്റ് വരെ ഇടവിട്ട് 2 മുതൽ 4 മില്ലിഗ്രാം വരെ സോഡ്നൽകി മണി ക്കൂറുകളോളം ആൻട്രോപ്പിനൈസേഷൻ നിലനിർത്തുക. ഒരു ദിവസം 25 മുതൽ 50 മില്ലിഗ്രാം വരെ ആൻട്രോപ്പിൻ ആവശ്യമായി വരാം. തുപ്പൽ ഉണ്ടാകുന്ന അളവം അനുസാരിപ്പ് ആൻട്രോപ്പിൻ ഡോസം നിശ്പയിക്കാം.
1-2 ഗ്രാം 2 പിർഡിൻ 2 ആൽഡോക്സിൻ എൻ-മിതൈൽ അയഡിൻ (2-പി.എ.എം.) 10 മില്ലി ഡീസ്റ്റിൽഡ് വെള്ളത്തിൽ കലക്കി 10-15 മിനിറ്റു കൊണ്ട് രോഗിക്ക സാവധആനി കടുക്കാം.

സംഭരണവും നീക്കവും:
1. കീടനാശിനി പായ്ക്കുകൾ, ആ നാര സാധനങ്ങളും മറ്റും സൂക്ഷിക്കുന്ന ഇടങ്ങളിൽ നിന്ന് അകലെ പ്രത്യേകമാ മുറിയിൽ പൂട്ടി വയ്ക്കണം.
2. കീടനാശിനി സംഭരിക്കാനുള്ള മുറി ഭദ്രമായി കെട്ടിയതും വെളിച്ചവും വായുവും കടക്കുന്നതും ആവശ്യത്തിന് വിസ്താരമുള്ളതുമായിരിക്കണം. സംഭരണ സ്ഥാനം ഉണങ്ങി തണുപ്പുള്ളതാവണം. സൂര്യപ്രകാശം നേരിട്ട് പതിയരുത്.

കാലി ഡിബ്ബകൾ നശിപ്പിക്കേണ്ട രീതി:
1. കാലി ഡിബ്ബകളും, അവ ശേഷിക്കുന്ന മരുന്നും, ലായിനിയും മറ്റും പരിസരത്തിനോ, ജലത്തിനോ ദൂഷണം സൃഷ്ടിക്കാൻ ഇടയാകാത്ത തരത്തിൽ നശിപ്പിച്ചു കളയണം.
2. ഉപയോഗിച്ചു കഴിഞ്ഞ പായ്ക്കേജുകൾ, വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കാനായി, പുറത്തിടരുത്.
3. പാക്കേജ് പൊട്ടിച്ച് മനുഷ്യ വാസസ്ഥാനത്ത് നിന്നകലെയായി കുഴിച്ചിടണം.

ഉപയോക്താൾ സ്വികരിക്കേണ്ട മുൻകരുതലുകൾ :
1. വെള്ളം വെർകുമ്പോൾ ശ്ബാസമെടുകുന്നതും തൊലിപ്പുറത്ത് വിഴുന്നതും ഒഴിവാക്കുക്, കൈയുംറ ഉടാരത കീടനാശിനി വെഴ്ഴത്തിൽ കമക്കരുത്.
2. കീടനാശിനി തഴിക്കുമ്പോൾ രബ്ബർ കൈയുറകളും ബൂട്ടുകഴും മുവം മുടിയും ബ്ബെറുകാ്ട്ടുള്ള മെൽമുടിവസ്ത്രവു ധരിക്കണം.
3. കീടനാശിനി പരിമാണമുള്ള ഉപകരണങ്ങളു പയോഗിച്ച് തളിക്കുന്നത് അപല്ക്കരവാണ് അണ്ടിരന ചെയ്യുന്നതൊഴിവാക്കണം.

രാസഘടന :

	% ഡബ്ല്യു/ഡബ്ല്യു
ക്ലോർപിറിഫോസ് ടെക്നികൽ (94% എ.ഐ. ഡബ്ല്യു/ഡബ്ല്യു വിൽ)	21.5
എമൽസിഫൈയർ (അനയോണിക് അൽകൈലറൈൽ സൽഫോന്നേട് നോൺ അയോനിക് പോഴി ആക്സി ഈഥലിൻ ഈതർ കരണ്ടൻ സേറ്റ്)	6.0
അരോമേക്സ്	72.5
ആകെ	100.0

വീണ്ടും പ്രവേശന കാലയളവ് : 48 മണിക്കൂർ.

മുന്നറിയിപ്പ്: ഈ ലേബലിൽ/ലഘുലേഖയിൽ വ്യക്തമാക്കിയിട്ടുള്ളതല്ലാത്ത വിളകളിൽ ഉപയോഗിക്കരുത്.